भारत–भूटान आर्थिक सम्बन्ध

मो० रेयाजुद्दीन

भारत और भूटान के बीच पारस्परिक द्विपक्षीय सम्बन्धों में आर्थिक अंतरसम्बन्ध लाभप्रद रूप से महत्वपूर्ण तत्व हैं। भूटान के लिए भारत सबसे बड़ा व्यापार और विकास भागीदारी बना रहा है। भूटान में योजना विकास के प्रयासों की शुरुआत वर्ष 1960 ई० में हुई थी। भूटान की प्रथम पंचवर्षीय योजना की शुरुआत वर्ष 1961 ई० में हुई थी तथा भारत तब से पंचवर्षीय योजना के लिए वित्तीय योजनाएँ पूरी हो चुकी है उनमें अधिकतम वित्तीय पोषण भारत द्वारा किया गया था। दसवीं पंचवर्षीय योजना (2008–19) की अवधि के लिए भारत सरकार द्वारा की जानेवाली सहायता की वचनबद्धता 3400 करोड़ रुपये की है। 11वीं पंचवर्षीय योजना (2013–18) शुरू हुई है, इसके लिए भारत सरकार सहयोग करने का वचनबद्धता दिया है। पूर्व में भारत की सहायता से संचालित किये गये परियोजनाओं में शामिल है, 1020 मेगावाट ताला पनबिजली परियोजना, 336 मेगावाट चुका जल विद्युत परियोजना, 60 मेगावाट करिद् जल विद्युत परियोजना, पारो हवाई अड्डे, भूटान प्रसारण स्टेशन, प्रमुख राज्यमार्गी विद्युत पारेषण और वितरण प्रणाली। भारत भूटान का केवल सबसे बड़ा विकास सहयोगी ही नहीं है बल्कि यह सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार भी है। भारत और भूटान के बीच एक मुक्त व्यापार और वाणिज्य समझौते को भी 10 वर्ष की अवधि के लिए नवीकरण किया गया है।